हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-12 अंक-14 हरिद्वार, रविवार,01 जून, 2025 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

एक देश एक चुनाव से सशक्त होगा लोकतंत्र : सीएम

संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया प्रतिभाग

देहरादून,संवाददाता । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मसूरी रोड स्थित एक होटल में "एक देश, एक चुनाव" विषय पर संयुक्त संसदीय समिति के साथ संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष श्री पी. पी. चौधरी एवं समिति के सभी सदस्यगणों का स्वागत और अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'एक देश एक चुनाव' हमारे लोकतंत्र को और अधिक सशक्त, प्रभावी और समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि हमारी चुनाव प्रणाली विविधताओं के बावजूद प्रभावी और मजबूत रही है, लेकिन अलग-अलग समय में चुनाव होने से बार-बार आचार संहिता लगती है, इसके चलते राज्यो के सारे काम ठप पड़ जाते हैं। जब भी चुनाव आता है, तो बड़ी संख्या में कार्मिकों को मूल कार्य से हटाकर चुनाव ड्यूटी में लगाना पड़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले तीन सालों में राज्य में विधानसभा, लोकसभा और निकाय चुनावों की आचार संहिता के कारण 175 दिन तक राज्य की प्रशासनिक मशीनरी नीतिगत निर्णय लेने की प्रक्रिया से वंचित रही। छोटे और सीमित संसाधनों वाले राज्य के लिए ये 175 दिन शासन व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन का पूर्ण व्यय भार राज्य सरकार वहन करती है और लोकसभा निर्वाचन का व्यय भार केंद्र सरकार द्वारा उठाया जाता है। दोनों चुनाव एक साथ कराए जाएं तो राज्य और केंद्र सरकार पर व्यय भार समान रूप से आधा-आधा हो जाएगा। दोनों चुनाव एक साथ कराने से कुल व्यय में लगभग 30 से 35 प्रतिशत तक की बचत होगी। इसका उपयोग राज्य के स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, जल, कृषि एवं महिला सशक्तिकरण जैसे अनेक क्षेत्रों में किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में जून से सितंबर का समय चारधाम यात्रा के साथ- साथ, बारिश का भी होता है, ऐसे में चुनावी कार्यक्रम होने से बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा जनवरी से मार्च तक वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही के समय भी चुनावी प्रक्रिया निर्धारित नहीं की जानी चाहिए।

फरवरी-मार्च के माह में हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट बोर्ड परीक्षाएं होने से प्रशासनिक संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे पहाड़ी और विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्यों में "एक देश एक चुनाव" महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के दुर्गम क्षेत्रों में मतदान केंद्रों तक पहुंचना कठिन होता है, जिसके कारण चुनाव की प्रक्रिया में अधिक समय और संसाधन लगते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में मतदाताओं के लिए चुनाव में भाग लेना भी चुनौतीपूर्ण होता है, बार -बार चुनाव होने से लोगों में मतदान के प्रति रुझान कम होता है और मतदान प्रतिशत भी घटता है।

महाराज ने चारधाम यात्रा पंजीकरण केन्द्र का किया स्थलीय निरीक्षण

यात्रियों से लिया व्यवस्थाओं का फीडबैक

हरिद्वार, संवाददाता । प्रदेश के लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण,पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने गुरूवार को अचानक ऋषिकुल मैदान पहुॅचकर चारधाम यात्रा पंजीकरण केन्द्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंजीकरण केन्द्र पर यात्रियों की सुविधा हेतु पंजीकरण काउण्टर, बैठने, पेयजल, शौचायलय, चिकित्सा, सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। प्रदेश के पर्यटन मंत्री और जनपद के प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने देश-विदेश से चार धाम यात्रा हेतु पंजीकरण केन्द्र पहुॅचे श्रद्धालुओं से वार्ता करते हुए विभिन्न विषयों पर फीडबैक लिया तथा सभी की सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। पंजीकरण केन्द्र पहुॅचे सभी श्रद्धालुओं ने पंजीकरण हेतु सरकार द्वारा किये गये सभी सुविधाओं की प्रशंसा भी की। कैबिनेट मंत्री श्री महाराज ने जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों को पंजीकरण कराने में किसी भी प्रकार की परेशानी या असुविधा न हो तथा आने वाले श्रद्धालु अपने साथ सुखद यादें लेकर जायें। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि पहलगांव आतंकवादी हमले के बाद यात्रियों की संख्या में कमी आई थी, लेकिन अब धीरे-धीरे यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी चारधाम यात्रा पर बड़ी संख्या में यात्रियों के आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि अभी तक यमनोत्री धाम में 5,08,041 (पांच लाख आठ हजार इकतालीस) गंगोत्री धाम में 5,59,272 (पांच लाख उनसठ हजार दो सौ बहत्तर) केदारनाथ धाम में 10,40,901 (दस लाख चालीस हजार नौ सौ एक) बद्रीनाथ धाम में 9,46,619 (नौ लाख छियालीस हजार छह सौ उन्नीस) एवं हेमकुण्ड साहिब में 61,822 (इकसठ हजार आठ सौ बाईस) श्रद्धालुओं सहित कुल 31,16,655 (इकतीस लाख सोलह हजार छह सौ पचपन) श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक यमनोत्री धाम में 2,10,908 (दो लाख दस हजार नौ सौ आठ) गंगोत्री धाम में 1,96,200 (एक लाख छियानबे हजार दो सौ) केदारनाथ धाम में 4,53,414 (चार लाख तिरेपन हजार चार सौ चौदह) एवं बद्रीनाथ धाम में 2,94,864 (दो लाख चौरानबे हजार आठ सौ चौसठ) कुल 11,55,386 (ग्यारह लाख पचपन हजार तीन सौ छियासी) श्रद्धालु दर्शन कर चुके है। उन्होंने बताया कि हेमकुण्ड साहिब के दर्शन के लिए 61 हजार 822 श्रद्धालुओं द्वारा अपना पंजीकरण कराया गया है। उन्होंने बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा भी शुरू होने वाली है। 250 यात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जायेंगे। उन्होंने बताया कि यह यात्रा लिपुलेख होते हुए जाएगी। उन्होंने बताया कि ऐसी व्यवस्था की गई है कि भारत के लिपुलेख से भी यात्री कैलाश मानसरोवर के दर्शन कर पायेंगे। इस दौरान जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुशील नौटियाल, तहसीलदार सचिन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हरिद्वार : चार साल की मासूम की हत्या का सनसनीखेज मामला सुलझा, आरोपी सूरज गिरफ्तार

हरिद्वार, संवाददाता । रोड़ीबेलवाला क्षेत्र में चार वर्षीय बच्ची की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी सूरज को हरिद्वार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के निर्देशन में गठित 22 सदस्यीय विशेष टीम ने कई दिनों की कड़ी मेहनत और सूझबूझ से आरोपी को लक्सर की कबाड़ी बस्ती में एक खंडहर से गिरफ्तार किया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी सूरज उर्फ सूरजभान, जो कि नगलाढाव थाना सुन्नगढ़ी, कासगंज (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है, घटना के बाद फरार था। बच्ची की हत्या के पीछे की वजह अवैध संबंधों का खुलासा हुआ है। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसकी मृतका की मां से नजदीकियां थीं और एक दिन बच्ची के पिता ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। इसके बाद हुए झगड़े और बेइज्जती का बदला लेने के लिए आरोपी ने चार वर्षीय बच्ची की निर्ममता से हत्या कर दी। बिना डिजिटल सपोर्ट, हरिद्वार पुलिस ने की मैनुअल पुलिसिंग की मिसाल पेशपुलिस के पास न तो आरोपी का मोबाइल नंबर था, न ही कोई लोकेशन ट्रेस करने का साधन। बावजूद इसके टीम ने हरिद्वार से सहारनपुर तक करीब 600 से अधिक ब्ब्ट कैमरों की फुटेज खंगाली, झुग्गी-झोपड़ियों में डोर-टू-डोर पूछताछ की और आखिरकार आरोपी को दबोच लिया।

एसएसपी डोबाल खुद पहुंचे मौके पर, किया हर पल की निगरानी

मासूम का शव 16 मई को रेलवे ट्रैक की सुरंग में मिलने के बाद एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल स्वयं मौके पर पहुंचे और अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित कीं। पूरी टीम की सतत निगरानी और ब्रीफिंग उन्होंने स्वयं की। उनकी संवेदनशीलता और सक्रियता की चारों ओर सराहना हो रही है।

सम्पादकीय

आतंक को संरक्षण नहीं

भाजपा देश भर में तिरंगा यात्रा' निकाल रही है। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में बताएंगे। वे क्या बोलेंगे, यानी उनके टॉकिंग प्वाइंट्स क्या होंगे, उसका संकेत प्रधानमंत्री ने अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में दिया। सत्ता पक्ष को शायद अहसास है कि बीते 11 साल में पहली बार ऐसा हुआ है, जब राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर कथानक उसके साथ से फिसल गया है। ऑपरेशन सिंदूर के सिलसिले में अचानक हुए युद्धविराम पर उससे ऐसे हलकों से भी सवाल पूछे जा रहे हैं, जो आम तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सत्ताधारी समूह के नजरिए से इत्तेफ़ाक रखते हैं। संभवत- इसी अहसास का नतीजा है कि अचानक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन का कार्यक्रम बना और साथ ही खबर आई कि 13 से 23 मई तक भारतीय जनता पार्टी देश भर में %तिरंगा यात्रा' निकालेगी। इस यात्रा के दौरान भाजपा कार्यकर्ता लोगों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में बताएंगे। वे क्या बोलेंगे, उसका संकेत प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में दिया। बल्कि ये कहा जा सकता है कि उन्होंने %तिरंगा यात्रा' में जाने वाले कार्यकर्ताओं को टॉकिंग प्वाइंट्स दिए। सार यही होगा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के सीने पर वार किया गया और वहां आतंक के ढांचे को नष्ट कर दिया गया है। इससे घबराए पाकिस्तान ने (डीजीएमओ के जरिए) जब भारत से संपर्क किया और वादा किया कि आगे वहां आतंक को संरक्षण नहीं दिया जाएगा, तब युद्धविराम के जरिए भारत ने पाकिस्तान को एक मौका दिया है। मगर ये बातें गले नहीं उतरतीं, क्योंकि दस मई के बाद से उठे कई अहम सवालों के जवाब प्रधानमंत्री के भाषण से नहीं मिले। मसलन, युद्धविराम कराने में अमेरिका की क्या भूमिका रही, क्या भारत तटस्थ स्थल पर पाकिस्तान से बातचीत के लिए राजी हुआ है, क्या साढ़े तीन तीन की कार्रवाई के दौरान भारत को लड़ाकू विमानों का नुकसान हुआ, और इस पूरे प्रकरण में- चाहे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद हो या आईएमएफ बोर्ड- भारत दुनिया में अकेला खड़ा क्यों नजर आया? प्रधानमंत्री ने कहा कि टेरर और टॉक साथ-साथ नहीं हो सकते, लेकिन लगे हाथ यह संकेत भी दिया कि भारत पाकिस्तान से आतंकवाद और पीओके के सवाल पर वार्ता के लिए तैयार है। तो कुल मिलाकर प्रश्न अनुत्तरित रहे। नैरेटिव का क्या होगा, यह अलग सवाल है।

भारत से हज यात्रियों का डिजिटल सशक्तिकरण

भारत सरकार ने हाल के वर्षों में समावेशी शासन पर अत्यधिक बल दिया है। एक ऐसा शासन, जो भूगोल, पृष्ठभूमि या विश्वास की परवाह किए बिना हर नागरिक तक पहुंचता हो। यह बात वार्षिक हज यात्रा के संचालन में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। एक नियमित प्रशासनिक क्रियाकलाप से दूर, यह एक विशाल मानवीय, कूटनीतिक और तार्किक संचालन है, जो अनेक राष्ट्रों और संस्कृतियों तक फैला हुआ है। सबका साथ, सबका विकास के लोकाचार से प्रेरित होकर सरकार ने हज प्रबंधन को 21वीं सदी की सेवा वितरण के मॉडल के रूप में परिणत कर दिया है। भारत से हर साल लगभग 1.75 लाख तीर्थयात्री पवित्र हज यात्रा पर जाते हैं। सऊदी अरब साम्राज्य (केएसए) के साथ घनिष्ठ समन्वय में, भारतीय हज समिति के माध्यम से चार महीने तक चलने वाले इतने व्यापक और संवेदनशील ऑपरेशन का प्रबंधन करना राष्ट्रीय समन्वय, कूटनीति और सेवा का एक महत्वपूर्ण नमूना है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के माध्यम से भारत सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि यह आध्यात्मिक यात्रा निर्बाध होने के साथ-साथ गरिमापूर्ण, समावेशी और तकनीकी रूप से सशक्त भी हो। बिना किसी पक्षपात के सभी समुदायों की सेवा करने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, सरकार हज के अनुभव को विदेशों में अब तक किए गए सबसे उन्नत सार्वजनिक सेवा संचालन में से एक के रूप में परिणत कर रही है। हज सुविधा ऐप को भारत सरकार ने 2024 में लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य तीर्थयात्रियों के अनुभव को सरल और बेहतर बनाना था। इसके माध्यम से प्रत्येक तीर्थयात्री से जुड़े राज्य हज निरीक्षकों के विवरण के साथ-साथ निकटतम स्वास्थ्य सेवा और परिवहन सुविधाओं सहित आवास, परिवहन और उड़ान संबंधी विवरण जैसी सूचनाओं तक तत्काल पहुंच कायम करना संभव हो रहा है। यह ऐप शिकायत प्रस्तुत करने, उसकी ट्रैकिंग करने, बैगेज ट्रैकिंग, आपातकालीन एसओएस सुविधाएं, आध्यात्मिक सामग्री और तत्काल सूचनाएं प्राप्त करने में भी सक्षम बनाता है। पिछले साल 67,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने ऐप इंस्टॉल किया था, जो स्वीकृति की उच्च दर का संकेत देता है। केएसए में भारत सरकार द्वारा हाजियों के लिए स्थापित प्रशासनिक ढांचे द्वारा 8000 से अधिक शिकायतें और 2000 से अधिक एसओएस उठाए गए और उनका जवाब दिया गया। तीर्थयात्रियों के लिए वास्तव में एंड-टू-एंड डिजिटल समाधान तैयार करता है।

हज 2.0 में हज यात्रियों के डिजिटल आवेदन, चयन (कुर्रा), प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन, भुगतान एकीकरण, अदाही कूपन जारी करने और रद्दीकरण तथा धन वापसी की प्रक्रियाओं से लेकर हज की पूरी प्रक्रिया शामिल है।

पार्टी और परिवार पर भारी पड़ रही लालू पुत्र की प्रेम कहानी

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में 24मई2025 शनिवार शाम बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालूप्रसाद यादव के ज्येष्ठ पुत्र और बिहार विधानसभा के सदस्य तेज प्रताप यादव द्वारा सोशल मीडिया पर अपने रिलेशनशिप के ऐलान और प्रेमिका की तस्वीर शेयर करने के बाद से बिहार की राजनीति और लालू परिवार में भूचाल आया हुआ है. लालू यादव ने तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से बाहर कर दिया है.

आपको बता दें कि सोशल मीडिया (फेसबुक) अकाउंट से एक पोस्ट वायरल हुआ था। इसमें तेज प्रताप एक लड़की के साथ दिख रहे थे।तेज प्रताप की प्रेम कहानी खुद उनके ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट से सामने आया. जहां एक लड़की की फोटो के साथ पोस्ट कर लिखा गया कि- %मैं तेज प्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं उनका नाम अनुष्का यादव है. हम दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते हैं और प्यार भी करते हैं. हम लोग पिछले 12 सालों से रिलेशनशिप में रह रहे हैं. मैं बहुत दिनों से आपलोगों से यह बात कहना चाहता था पर समझ नहीं आ रहा था कैसे कहूं....? इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल का बात आप सब के बीच रख रहा हूं! आशा करता हू आपलोग मेरी बातों समझेंगे। यह पोस्ट देखते ही देखते वायरल हो गई।

यहां बता दें कि तेजप्रताप विवाहित है तेज प्रताप यादव की शादी वर्ष 2018 के मई महीने में पूर्व सीएम दारोगा राय की पोती और बिहार की मंत्री रह चुकी चंद्रिका राय की पुत्री ऐश्वर्या राय से हुई थी. लेकिन शादी के चंद महीने बाद ही नवंबर 2018 में तेज प्रताप ने अपनी पत्नी से तलाक के लिए अर्जी दाखिल कर दिया था. अभी ऐश्वर्या से उनका विवाद कोर्ट में चल ही रहा है. लेकिन इसी बीच उन्होंने फेसबुक पोस्ट के जरिए 12 साल पुराने प्यार की कहानी सार्वजनिक की. इस कहानी के सामने आते ही लोगों ने यह कहा कि जब वो पहले से किसी के साथ रिलेशन में थे, तब ऐश्वर्या की जिंदगी क्यों बर्बाद की?

पत्नी से तालाक की मंजूरी के बैगर तेज प्रताप यादव का दूसरी महिला के साथ रिलेशनशिप में रहने का मामला सोशल मीडिया के जरिए सामने आया है। ऐसे में विधि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि उनकी पत्नी ऐश्वर्या चाहे तो उन्हें कानून के दायरे में लाया जा सकता है। हालांकि यह तभी संभव होगा जब पत्नी की तरफ से इसको लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जाए।

पूर्व मंत्री और राजद के विधायक तेज प्रताप यादव को राष्ट्रीय जनता दल से निकाल दिया गया। राजद सुप्रीमो और तेज प्रताप के पिता लालू यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर यह एलान किया। उन्होंने तेज प्रताप को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने लिखा, निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है। लालू प्रसाद यादव ने आगे लिखा कि अपने निजी जीवन का भला - बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सावर्जनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है।

अब जान लीजिए कि तेजप्रताप कथित गर्लफ्रेंड अनुष्का यादव कौन हैं? सोशल मीडिया पर वायरल हो रही खबरों की मानें तो बताया जा रहा है कि अनुष्का यादव और कोई नहीं बल्कि छात्र राजद के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके आकाश यादव की बहन है. सोशल मीडिया के कई पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि अनुष्का और आकाश यादव भाई-बहन है. जानकारी के लिए बता दें कि आकाश यादव को तेजप्रताप यादव का करीबी माना जाता है. 2021 में आकाश यादव को छात्र राजद का प्रदेश अध्यक्ष बनाने के लिए तेजप्रताप पार्टी प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह से भिड़ गए थे. इस बात से जगदानंद सिंह काफी नाराज हो गए थे और पार्टी भी छोड़ना चाह रहे थे, लेकिन लालू यादव ने उन्हें रोक लिया था.आकाश के लिए तेज प्रताप अपने परिवार से भी भिड़ गए थे. उन्होंने ना सिर्फ अपने भाई तेजस्वी यादव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था, बल्कि पिता लालू यादव और मां राबड़ी देवी की बात भी मानने से इनकार कर दिया था. अंत में तेज प्रताप की जिद के आगे लालू परिवार झुक गया था. इधर, कथित गर्लफ्रेंड के साथ पोस्ट वायरल होने के कुछ देर बाद तेज प्रताप यादव ने अपने फेसबुक पर वायरल जानकारी से मुकर गए और उन्होंने अपना अकाउंट हैक होने की जानकारी दी। इसमें यह कहा गया है कि ये सब उन्हें बदनाम करने की कोशिश की गई है। उन्होंने लिखा है - मेरे सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म को हैक एवं मेरी तस्वीरों को गलत तरीके से एडिट कर मुझे और मेरे परिवार वालों को परेशान और बदनाम किया जा रहा है। मैं अपने शुभचिंतको और फॉलोवर्स से अपील करता हूं कि वे सतर्क रहें और किसी भी अफ़वाह पर ध्यान न दें...। राजद विधायक तेजप्रताप यादव हाल ही दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट की अनुमति लेकर मालदीव की सैर पर गये थे। वहां से दो दिन पहले ही पटना लौटे हैं। शनिवार की शाम तक उनकी दिनचर्या सामान्य थी, लेकिन उसी दिन शाम में उनके फेसबुक पर इजहार-ए-इश्क के पोस्ट से तूफान खड़ा हो गया। इस सब के बीच उठे राजनीतिक पारिवारिक तूफान में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने तेज प्रताप यादव के पक्ष में बयान दिया है. रविवार को तेज प्रताप यादव को पार्टी से छह साल के लिए लालू यादव ने बाहर कर दिया जिसको लेकर अब पप्पू यादव भड़क गए हैं. उन्होंने कहा कि अपने प्रेम को सार्वजनिक जीवन में सामने लाना यह कोई गुनाह नहीं है।

पप्पू यादव ने कहा, क्या लालू यादव और उनके परिवार को यह बात पहले पता नहीं थी... सब पता था. लालू जी के बेटे ने कोई गलत काम नहीं किया है, कोई बलात्कार तो नहीं किया है? उन्होंने कहा, लालू जी के दल में भी ऐसे नेता हैं जिनके ऊपर ऐसे आरोप हैं लेकिन पार्टी चलाने के लालू जी उनके घर जाते हैं, उनसे मदद लेते हैं क्या वह गलत नहीं है क्या? किसी ऐसे नेता को निकाला? राजनीति के तहत किसी का जीवन बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए. हर किसी चीज में राजनीति को नहीं लाया जाना चाहिए. पप्पू यादव पूर्णिया में पत्रकारों से बात कर रहे थे. उन्होंने इस पूरे मामले पर कहा, व्यक्तिगत चीज है लेकिन लालू यादव को एक बात समझनी होगी, आपके बेटे ने ईमानदारी से प्रयास किया और दुनिया के सामने खुलकर प्यार का इजहार किया. याद कीजिए, बिल गेट्स ने भी अमेरिका में स्वीकार किया था कि हमसे भूल हुई, जब उन पर आरोप लगे थे, अमेरिका ने सराहना भी की थी।

लेकिन तेज प्रताप के छोटे बेटे तेजस्वी यादव ने अपने बड़े भाई के संबंधों पर एतराज जताया है और कहा है कि राजनीति और निजी जीवन अलग चीज है, लेकिन जो हुआ है ना तो मैं उसको पसंद करता हूं और ना ही बर्दाश्त करता हूं. इसी बीच लालू प्रसाद यादव की बेटी और तेज प्रताप यादव की बहन रोहिणी आचार्य ने इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एक्स पर एक लंबा और भावनात्मक पोस्ट लिखकर यह स्पष्ट कर दिया कि वह अपने पिता के फैसले के साथ हैं और तेज प्रताप के आचरण को परिवार और पार्टी के खिलाफ मानती हैं। सवाल उठता है कि तेज प्रताप यादव का यह मामला प्यार लगाव का सामाजिक स्वीकृति योग्य माना जाए अथवा विवाहेत्तर संबंधो के चलते नैतिक मूल्यों के खिलाफ सामाजिक मान्यताओं का उल्लंघन माना जाए जैसा कि लालू प्रसाद यादव का परिवार मान रहा है। यदि यह विशुद्ध युवक युवती के बीच प्रेम संबंध का मामला होता तो निश्चित तौर पर इसे सामाजिक स्वीकृति मिलती लेकिन सार्वजनिक राजनीतिक जीवन में रहते हुए विवाहित पत्नी को त्याग कर सात साल से तलाक का मुकदमा लंबित होने के बावजूद पिछले बारह साल से किसी के साथ प्यार और साथ रहने की जानकारी सामाजिक मान्यताओं और नैतिकता के खिलाफ है। आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में यह मुद्दा जोर पकड़ेगा और लालू और राजद के लिए मुसीबत खड़ी करेगा।

हरकी पैड़ी से बढ़ती जनसंख्या के खिलाफ उल्टी पदयात्रा निकाली

हरिद्वार । मेरठ शहर निवासी दंपति दिनेश तलवार और दिशा तलवार ने रविवार को बढ़ती जनसंख्या के खिलाफ हरकी पैड़ी से उल्टी पद यात्रा की शुरुआत की। उन्होंने हरकी पैड़ी पर मौजूद जनमानस को जनसंख्या नियंत्रण के प्रेरित करने के लिए संदेश दिखाएं और लोगों से आह्वान किया कि वह जनसंख्या नियंत्रण के लिए आवाज उठाएं। दिनेश तलवार और दिशा तलवार की मात्र एक ही मांग है कि बढ़ती जनसंख्या के विरुद्ध सरकार कोई सख्त कदम उठाए। उन्हेंने बताया कि कुछ लोगों की जागरुकता के कारण जनसंख्या वृद्धि में गिरावट आ रही है, बावजूद हमने चीन को पीछे छोड़ दिया हैं। दो बच्चों का कानून हमारी मांग है। हमारा यह अभियान जाति धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित में है। संसाधन सीमित है और देश की जनसंख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। बढ़ती जनसंख्या देश पर पर बड़ा दबाव बना रही है। बताया कि पिछले 30 सालों में हमने 400 से अधिक शहरों में पदयात्रा की है।

बताया कि वह जंतर मंतर नई दिल्ली पर लगभग 100 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर चुके हैं। हर बार प्रधानमंत्री तथा प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओं को ज्ञापन भी दिए गए हैं। बताया कि दो बच्चों का कानून राष्ट्रहित में आवश्यक है। प्रधानमंत्री को हजारों पोस्टकार्ड बढ़ती जनसंख्या पर रोक के संबंध में लिख चुके हैं। प्रत्येक दिन प्रात: दो पोस्टकार्ड प्रधानमंत्री को लिखते हैं। जनसंख्या नियंत्रण पर 1992 में विधेयक लाने की बात भी बनी, लेकिन राजनीति की खींचातानी में रुक गया। 1994 से वह दो बच्चों के कानून की मांग कर रहे हैं। 1952 में परिवार नियोजन कार्यक्रम तो बना इस लेकिन इतना काम हुआ। आज हम 144 करोड़ है। बताया कि हम पति-पत्नी निरंतर आबादी पर जागरूकता कार्यक्रम कर रहे हैं। बताया कि जनसंख्या नियंत्रण राष्ट्रीय विषय है, जिस पर हम सबको मिलकर सहयोग करना होगा।

उदयन शालिनी फेलोशिप का उद्देश्य छात्राओं को आर्थिक सहायता के साथ-साथ मार्गदर्शन : दीपा पाल

उदयन शालिनी फैलोशिप हरिद्वार चैप्टर की परीक्षा हुई संपन्न, 200 छात्रों ने की शिरकत

हरिद्वार । उदयन शालिनी फेलोशिप कार्यक्रम हरिद्वार चैप्टर के शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए चयन प्रक्रिया के तहत 18 मई 2025 को लिखित परीक्षा सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर 2 में संपन्न हुई। परीक्षा में 200 छात्र शामिल हुए। निगरानी, उदयन शालिनी, हरिद्वार, चैप्टर की समन्वयक दीपा पाल और सहायक समन्वयक सिमरन, स्कूल शिक्षक प्रवीण ने परीक्षा को संपन्न कराया। बताया गया कि इस अलग-अलग स्कूलों राजकीय कन्या इंटर कॉलेज ज्वालापुर, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज धीरवाली, सरस्वती विद्या मंदिर मायापुर के 200 छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक दीपा पाल ने बताया कि यह परीक्षा उन छात्रों के लिए आयोजित की गई है जो छात्राएं शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की चाहत रखती हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के चलते उन्हें अवसर नहीं मिल पाता। उदयन शालिनी फेलोशिप का उद्देश्य छात्राओं को आर्थिक सहायता के साथ-साथ मार्गदर्शन, आत्मबल और नेतृत्व क्षमता प्रदान करना है। परीक्षा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। आगामी चरण में चयनित छात्राओं का साक्षात्कार छात्राओं के अभिभावक और छात्रों के साथ किया जाएगा। इस परीक्षा में आंचल, अर्शी अंसारी, अर्शी नाज़ अब्बासी, आयुषी चंद्रा, माजदा, मुस्कान सिद्दीकी, प्रियंका, रितु शालिनी, उजाला, सुगंधा, श्री प्रवीण कुमार, समन्वयक दीपा और सह समन्वयक सिमरन ने अहम भूमिका निभाई।

सिंचाई विभाग ने गंगा घाटों की सफाई की

हरिद्वार । उत्तराखंड सिंचाई विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने रविवार को गंगा घाटों पर सफाई अभियान चलाया। इस दौरान चमगादड़ टापू से अलकनंदा घाट तक गंगा घाटों पर फैली गंदगी और कूड़े-कचरे को साफ किया गया। साथ ही घाट पर मौजूद लोगों को घाटों की सफाई और गंगा को प्रदूषण से बचाने के लिए जागरूक किया गया। रविवार को सिंचाई विभाग के सहायक अभियंताओं, कनिष्ठ अभियंताओं और अन्य अधिकारी-कर्मचारियों ने अधिशासी अभियंता ओमजी गुप्ता के नेतृत्व में गंगा घाटों पर साफ सफाई की। इस दौरान घाटों पर कूड़ा कचरा एकत्रित कर निस्तारण के लिए नगर निगम के वाहनों से सराय भेजा गया। ईई ने बताया कि विभाग स्तर पर सफाई अभियान चलाया गया है। छुट्टी के दिन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने घाटों पर पहुंच कर श्रमदान किया है। गंगा और घाटों को साफ स्वच्छ रखना सभी की जिम्मेदारी और कर्तव्य है। लोगों और यात्रियों से गंगा और घाटों को साफ रखने की अपील की गई है। वहीं लोगों को गंगा का महत्व भी समझाया गया है। बताया कि आगे भी घाटों पर सफाई और जागरूकता अभियान जारी रहेगा। सफाई अभियान के दौरान सहायक अभियंता विजय सिंह, इंद्र कुंवर, गौरव गोयल, देवदत्त, अपर सहायक अभियंता संकेत कुमार, योगेंद्र सिंह तोमर, आशीष सैनी, अश्वनी कुमार, मनीषा कुमार, कनिष्ठ अभियंत, वैभव शर्मा, आरती देवी, शुभम सैनी, अभिषेक गुसाई सहित अतुल कुमार, परशुराम सागर, अरुण, ओमपाल, मुनेशो, शकुंतला, रविंद्र, सोनू कुमार आदि कर्मचारी शामिल रहे।

51 हजार व्यापारी सैनिक तैयार करेगा राष्ट्रीय व्यापार मंडल

हरिद्वार । राष्ट्रीय व्यापार मंडल 51 हजार व्यापारियों को युद्ध का प्रशिक्षण देगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद यह व्यापारी आपातकालीन समय में सीमा पर दुश्मन देश से युद्ध करने के लिए तत्पर रहेंगे। व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चौधरी ने बैठक के दौरान व्यापारियों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की घोषणा की। बैठक में पहलगाम घटना के बाद भारत की पाकिस्तान पर कार्रवाई के लिए सेना के जवानों और पीएम मोदी को धन्यवाद दिया गया। रविवार को आर्यनगर चौक के निजी होटल में आयोजित राष्ट्रीय व्यापार मंडल की बैठक में व्यापारियों ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए नागरिकों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने पहले चरण में 51 हजार व्यापारी सैनिक की सूची भारत सरकार के माध्यम से सेना को देने की घोषणा की। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि पहले चरण में 51 हजार व्यापारी सैनिक तैयार किए जाएंगे। ताकि देश भक्त व्यापारी सैनिक प्रशिक्षण प्राप्त कर दुश्मन से लड़ने का लिए हमेशा तैयार रहे। कहा कि पहलगाम हमले के बाद देश की सेना ने बहुत ही बहादुरी से पाकिस्तान में घुसकर देश के नागरिकों की हत्या का बदला आतंकवादियों से लिया। घटना के बाद से लोगों में देशभक्ति की भावना अधिक बढ़ गई है। व्यापारियों को प्रशिक्षित करने के लिए सरकार के आधिकारिक संस्थान से संपर्क किया जाएगा। बैठक में प्रदेश महामंत्री सुदीश श्रोत्रिय और जिलाध्यक्ष विनीत धीमान ने कहा कि अब समय आ गया है जब देश के हर नागरिक को सैन्य प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। पार्षद ज्वालापुर हरविंदर सिंह ने कहा हमको देश की सेना और पीएम मोदी पर गर्व है। हम सुरक्षित हाथों में है। लेकिन अपनी जिम्मेदारी समझते हुए अब देश हित में दुश्मन से सीमा पर लड़ने के लिए भी तैयार है। बैठक में जिला महामंत्री भारत तलूजा, प्रदेश मंत्री युवा पार्षद नोमान अंसारी, जिला उपाध्यक्ष अशोक गिर, स्नेहलता चौहान, गंगा शरण चंदेरिया, अनिल तेश्वर, दीपक कुमार, शहर कोषाध्यक्ष अर्पण ग्रोवर, मृत्युंजय अग्रवाल, अक्षत गर्ग, आदेश मारवाड़ी, पंकज सवन्नी, सुमित, पुष्पेंद्र गुप्ता, अरविंद कुमार, नरेंद्र चौहान, मानुष तोमर, पिंकी त्यागी राज आदि मौजूद रहे।

दहेज की मांग पूरी न हुई तो तोड़ दिया रिश्ता

हरिद्वार । संगाई के बाद युवती के परिजनों से दहेज की मांग की गयी। अपनी मांग पूरी न होते देख लड़के वालों ने रिश्ता तोड़ लिया। जिसके बाद युवती ने मुकदमा दर्ज कराते हुए युवक पर शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास करने और छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सहारनपुर निवासी आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार रानीपुर कोतवाली क्षेत्र की एक युवती ने शिकायत देकर बताया कि उसकी सगाई 19 नवंबर 2024 को विचित्र शिवा निवासी जाटव नगर, थाना कुतुबशेर जिला सहारनपुर से हुई थी। आरोप है कि होली के दौरान युवक युवती के घर आया और शादी का हवाला देते हुए जबरन शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। विरोध करने पर उसने दबाव बनाया और उसके कुछ दिन बाद में रायवाला में अपने चाचा के घर भी ले गया। युवती ने आरोप लगाया कि पिछले दिनों युवक ने फोन पर दहेज में कार और नकदी की मांग की। जब युवती ने इनकार किया तो युवक ने उसको भद्दी टिप्पणी करते हुए रिश्ता तोड़ दिया। आरोप है कि जब युवती के पिता ने युवक के परिवार से संपर्क किया तो युवक की मां सीता, पिता अमर सिंह, बहन सोनिया, जीजा नीटू और भाई विवेक ने उसे अपमानजनक शब्द कहे और रिश्ता समाप्त करने की बात कही। रानीपुर कोतवाली प्रभारी कमल मोहन भंडारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

किसका टिकट कटेगा और किस नए लोगों को टिकट मिलेगा, 2027 की तैयारी शुरू

हरिद्वार । मिशन 2027: बीजेपी ने अपने विधायकों और दिग्गज नेताओं के काम काज को ब्योरा तैयार करना शुरू कर दिया है और ये जानने की कोशिश की जा रही है कि कौन से विधायक का काम कैसा है. जनता में उनकी छवि और प्रभाव कितना है. पार्टी के कामों और जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को लेकर कौन कितना एक्टिव है. अगर उन्हें टिकट दिया जाता है तो उनकी जीत की संभावना कितनी होगी. जानकारी में सीट के जातीय व सामाजिक समीकरण का ध्यान रखने को कहा गया है. विधायकों का आंकलन तीन हिस्सों 'ए' 'बी' और 'सी' बांटा जाएगा. इसमें सबसे कम अंक पाने वाले को सी श्रेणी और सबसे अधिक अंक वाले को ए श्रेणी में रखा जाएगा. इसके अलावा टिकट देने से पहले पार्टी विरोध दलों के उम्मीदवार और इलाके के जातीय समीकरण का भी आंकलन करेगी.

शिविर में 65 लोगों ने किया रक्तदान

रुड़की । रक्तदान महादान टीम की ओर से रविवार को 61 वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 65 लोगों ने रक्तदान कर पुण्य लाभ कमाया। टीम के पदाधिकारियों ने लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक किया। रामनगर चौक स्थित होटल में आयोजित शिविर के संयोजक यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव प्रणय प्रताप ने कहा कि रक्तदान को महादान इसलिए कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा दिया गया। रक्त केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरे परिवार को जीवन देने का काम करता है उन्होंने कहा कि वह लगातार इस टीम के साथ जुड़कर इस प्रकार के लोगों की मदद का प्रयास कर रहे हैं। मोहित पुंडीर ने कहा कि रक्तदान करना दूसरों के लिए नहीं बल्कि अपने स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

भारतीय राजनीति के असली चौधरी थे भारत रत्न चौ चरणसिंह

आर पी तोमर

भारत रत्न चौधरी चरण सिंह एक ऐसा नाम है जो भारतीय राजनीति और इसके लोकतंत्र के लिए किसी हीरो से कम नहीं। ये वो नाम है जो ना जाने कितने ही बड़े संवैधानिक पदों पर रहकर ये दिखा गया कि कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति के जीवन में कैसै बदलाव लाया जा सकता है। चौधरी चरण सिंह ने देश की कृषि नीतियों को आकार देने में बेहद अहम भूमिका निभाई। चौधरी चरण सिंह ने अपना पूरा जीवन किसानों के हित और उनके कल्याण में समर्पित कर दिया, और यही वजह है कि उन्हें "किसानों का मसीहा" कहा जाता है। चौधरी चरण सिंह सिर्फ़ एक राजनीतिज्ञ, एक किसान नेता, एक पार्टी के अध्यक्ष और एक भूतपूर्व प्रधानमंत्री का नाम ही नहीं था बल्कि चरण सिंह एक विचारधारा का भी नाम है। जो भारतीय राजनीति में अकाट्य है और सदैव रहेगा। चरण सिंह की राजनीति में कोई दुराव या कोई कपट नहीं था, बल्कि जो उन्हें अच्छा लगता था, उसे वो ताल ठोक कर अच्छा कहते थे और जो उन्हें बुरा लगता था, उसे कहने में उन्होंने कोई गुरेज़ भी नहीं करते थे। उनका व्यक्तित्व बहुत रौबीला था, जिनके सामने लोगों की बोलने की हिम्मत नहीं पड़ती थी। उनके चेहरे पर हमेशा पुख़्तगी होती थी। हमेशा संजीदा गुफ़्तगू करते थे। बहुत कम मुस्कुराते थे। अगर मैं गलत नहीं हूं तो एकआध लोगों ने ही उन्हें कभी कहकहा लगाते हुए देखा होगा। वो उसूलों के पाबंद थे और बहुत साफ़-सुथरी राजनीति करते थे। वे सच्चे मायने में भारत रत्न हैं।

किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर गांव में 23 दिसंबर 1**902** को हुआ था। उनकी शिक्षा सरकारी उच्च विद्यालय और विश्वविद्यालय मेरठ से पूरी हुई। उन्होंने विज्ञान स्नातक, कला स्नातकोत्तर और विधि स्नातक की पढ़ाई की थी। चौधरी चरण सिंह ने पूरे जीवनभर किसानों के मुद्दे उठाए और उनके हक दिलाने का काम किया। चौधरी चरण सिंह का निधन 29 मई 1987 को 84 साल की उम्र में दिल्ली में हुआ था। जब 1929 में लाहौर में कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज्य का एलान किया तो नेहरू कांग्रेस के सबसे बड़े नेता के रूप में उभरे, तब चौधरी चरण सिंह ने गाजियाबाद में कांग्रेस कमेटी का गठन किया। 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू हुआ तो चौधरी चरण सिंह हिंडन नदी के किनारे नमक बनाने पहुंच गए तो अंग्रेज सरकार ने उन्हें छह महीने की जेल की सजा दी। जेल से वापसी पर वे पूरे जोर-शोर से स्वतंत्रता आंदोलन में कूद गए। 1937 में चुनाव हुए तो बागपत से चौधरी चरण सिंह विधानसभा के लिए चुने गए। विधानसभा में किसानों की फसल से संबंधित एक बिल पेश किया। ये उस वक्त का क्रांतिकारी बिल था, जब ब्रिटिश सरकार ने भारतीय किसानों को ही सबसे ज्यादा चोट पहुंचाई थी। अंग्रेजी सरकार ने मुगलिया टैक्स सिस्टम को हटाकर बेहद क्रूर सिस्टम लागू किया था। जिसकी वजह से बहुत गरीबी फैल गई थी। उन्होंने 1939 में कर्जा माफी विधेयक पास करवाकर किसानों के खेतों की नीलामी रुकवाई। 1939 में ही किसान के बच्चों को सरकारी नौकरियों में **50** फीसदी आरक्षण दिलाने की कोशिश की पर इसमें सफलता नहीं मिल पाई। 1939 में किसानों को टैक्स बढ़ाने और बेदखली से मुक्ति दिलाने के लिए जमीन उपयोग का बिल तैयार किया और ऋण निर्मोचन विधेयक पास कराकर चौधरी साहब ने लाखों गरीब किसानों को कर्जे से मुक्ति दिलाई। इसी साल निजी सदस्यों के संकल्प के तहत उन्होंने कृषि उत्पादन मंडी विधेयक पेश किया, जिसमें किसानों को बिचौलियों से मुक्त कराकर वाजिब दाम दिलाने का प्रावधान था।उनके सुझावों को कई सरकारों ने क्रियान्वित किया, इसमें पहला राज्य पंजाब था। ब्रिटिश भारत के पंजाब प्रांत की विधानसभा ने सर छोटू राम के राजस्व मंत्री रहते हुए वर्ष 1938 में जो पहला 'कृषि उत्पाद मंडी अधिनियम' पारित कर उसे लागू किया था। दरअसल, उसकी परिकल्पना चौधरी चरण सिंह की ही थी। चौधरी चरण सिंह जब पहली बार चुनाव जीतने के बाद उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत के संसदीय सचिव बने थे, तब चौधरी साहब कृषि उत्पाद मंडी बनाने के लिए एक बिल लेकर आना चाहते थे लेकिन, पंत ने उन्हें मना कर दिया, जिसके बाद चौधरी चरण सिंह ने उत्तर प्रदेश की यूनाइटेड प्रोविंस लेजिस्लेटिव असेंबली में एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया, लेकिन वो बिल पारित नहीं हो पाया, ये बात वर्ष 1937 की है। **1940** में कांग्रेस बड़ी उहापोह में थी कि ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आंदोलन छेड़ें कि नहीं, छोटे स्तर पर व्यक्तिगत सत्याग्रह की शुरूआत हुई, चौधरी चरण सिंह इसमें भी शामिल हुए। जेल गए, फिर छूटे और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में चरण सिंह को फिर मौका मिला। वे अंडरग्राउंड हो गए और एक गुप्त क्रांतिकारी संगठन तैयार किया। पुलिस का आदेश था कि देखते ही गोली मार दी जाए पर चौधरी चरण सिंह सभा करके हर जगह से निकल जाते थे। अंत में गिरफ्तार हो गए। जिन्हें डेढ़ साल की सजा हुई, जेल में ही उन्होंने "शिष्टाचार" किताब लिखी। वे जातिवाद के कट्टर विरोधी थे और उनके प्रयासों का असर था कि 1948 में उत्तर प्रदेश में राजस्व विभाग ने सरकारी कागजों में जोत मालिकों की जाति नहीं लिखने का फैसला लिया। उन्होंने गोविंद बल्लभ पंत को पत्र लिखकर 1948 में मांग की थी कि अगर शैक्षिक संस्थाओं के नाम से जातिसूचक शब्द नहीं हटाए जाते तो उनका अनुदान बंद कर दिया जाए। हालांकि यह मसला टलता रहा लेकिन जब वे 1967 में खुद मुख्यमंत्री बने तो सरकारी अनुदान लेने वाली शिक्षा और सामाजिक संस्थाओं को अपने नामों के आगे से जातिसूचक शब्द हटाने पड़े। उन्होंने ही आजादी के बाद भारत में सोवियत रूस की तर्ज पर आर्थिक नीतियां लगाई गईं। चौधरी साहब का कहना था कि इंडिया में ये चलेगा नहीं, इसको लेकर चौधरी साहब कहते थे कि किसानों को जमीन का मालिकाना हक देने से ही बात बनेगी। उस वक्त नेहरू का विरोध करना ही बड़ी बात थी लेकिन चौधरी साहब सहकारी खेती के रूसी मॉडल के सख्त खिलाफ थे। हालाकि इससे उनके राजनैतिक करियर पर असर पड़ा फिर भी चौधरी साहब ने अपनी बात कहनी शुरू कर दी थी। चौधरी चरण सिंह 1952, 1962 और 1967 की विधानसभा में जीते थे। गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में पार्लियामेंट्री सेक्रेटरी रहे। रेवेन्यू, लॉ, इनफॉर्मेशन, हेल्थ कई मिनिस्ट्री में भी रहे, संपूर्णानंद और चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में भी मंत्री रहे। 1967 में चरण सिंह ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर भारतीय क्रांति दल नाम से अपनी पार्टी बना ली। राम मनोहर लोहिया का इनके ऊपर हाथ था। उत्तर प्रदेश में पहली बार कांग्रेस हारी और चौधरी चरण सिंह मुख्यमंत्री बने। चौधरी चरण सिंह 1967 और 1970 में मुख्यमंत्री बने। चौधरी चरण सिंह ने अपने मुख्यमंत्री काल में एक बड़ा निर्णय लेते हुए खाद पर से सेल्स टैक्स हटा लिया। सीलिंग से मिली जमीन किसानों में बांटने की कोशिश की पर उत्तर प्रदेश में ये सफल नहीं हो पाया। इसके बाद इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनी तब देश में माहौल गड़बड़ हो गया था, 1975 में इंदिरा ने विवादास्पद निर्णय लिया और इमर्जेंसी लगा दी।

चौधरी चरण सिंह भी जेल में डाल दिए गए। जेल में विरोधी पक्ष लामबंद हो गया और 1977 में लोकसभा के चुनाव हुए। इंदिरा बुरी तरह हारीं और देश में पहली बार गैर-कांग्रेसी पार्टियों ने मिलकर सरकार बनाई। मोरार जी देसाई प्रधानमंत्री बने, चौधरी चरण सिंह इस सरकार में उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री रहे। वित्तमंत्री भी बने।जनता पार्टी को बनाने में उनका ही आधार और किसान शक्ति सबसे अधिक काम आई। जनता पार्टी के नेताओं, जिसमें आज की भाजपा और तबका जनसंघ भी शामिल था। उसने चौधरी चरण सिंह की पार्टी के चुनाव चिह्न पर ही लोकसभा चुनाव लड़ा था। लेकिन बड़े आधार के बावजूद चौधरी साहब की जगह मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने। चौधरी साहब इस सरकार में केंद्रीय गृह मंत्री बने लेकिन चौधरी साहब को मोरारजी की नीति पसंद नहीं आई, क्योंकि चौधरी साहब का गरीब, किसान, मजदूर एजेंडा मोरारजी को नापसंद था, फिर भी चौधरी साहब के कारण जनता पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र में कृषि को सबसे अधिक प्राथमिकता और किसानों को उपज के वाजिब दाम का भी वायदा किया गया, गांव के लोहार और बुनकर से लेकर कुम्हारों और अन्य कारीगरों के उत्थान का खाका भी बुना गया।1979 में वित्त मंत्री और उप-प्रधानमंत्री रहने के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना कराई और वित्त मंत्री रहते हुए ही खाद और डीजल के दामों को कंट्रोल किया। खेती की मशीनों पर टैक्स कम किया। इनके अलावा कृषि जिंसों की अन्तर्राज्यीय आवाजाही पर लगी रोक हटा दी। लेकिन इसी वजह से जनता पार्टी में कलह हुई और मोरार जी की सरकार गिर गई। बाद में कांग्रेस के ही सपोर्ट से 28 जुलाई 1979 को चौधरी चरण सिंह प्रधानमंत्री बने। बहुमत साबित करने के लिए 20 अगस्त तक का टाइम दिया गया था। इंदिरा ने 19 अगस्त को समर्थन वापस ले लिया और सरकार गिर गई। संसद का बगैर एक दिन सामना किए चरण सिंह को इस्तीफा देना पड़ा। प्रधानमंत्री रहते हुए चरण सिंह ने ग्रामीण पुनरुत्थान मंत्रालय की स्थापना की। फिर बाद में किसान जागरण के लिए ही उन्होंने 13 अक्तूबर 1979 से असली भारत साप्ताहिक अखबार शुरू किया। उन्होंने देश में सबसे बेहतरीन जमींदारी उन्मूलन कानून पारित कराया। 1952 में भूमि सुधार और जमींदारी उन्मूलन कानून पारित होने के बाद चकबंदी कानून और 1954 में भूमि संरक्षण कानून बनवाया, जिससे वैज्ञानिक खेती और भूमि संरक्षण को मदद मिली थी। आजादी के बाद उत्तर प्रदेश में चौधरी चरण सिंह ने जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार कानून बनाकर जमींदारी प्रथा समाप्त कर दिया और किसान भूमिधर बन गए। जमींदारी खत्म होने से दम तोड़ती हुई सामंतशाही ने पटवारियों के माध्यम से फिर से किसानों की जमीन को धोखे से हासिल करना शुरू कर दिया। इसके बाद चौधरी चरण सिंह ने पटवारियों को कड़ी चेतावनी दी। तिलमिलाहट में हजारों पटवारियों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया। उन्हें विश्वास था कि सरकार को उनके सामने घुटने टेकने पड़ेंगे, लेकिन चौधरी साहब के दृढ़ निश्चय ने पटवारियों को घुटनों के बल झुकने को मजबूर कर दिया। उन्होंने सभी 27 हज़ार त्याग पत्र स्वीकार कर उनके स्थान पर लेखपालों की भर्ती की। इसी में 18 प्रतिशत हरिजनों को भी पटवारी नियुक्त किया गया। 1954 में योजना आयोग ने निर्देश दिया कि जिन जमींदारों के पास खुद काश्त के लिए जमीन नहीं है, उनको अपने आसामियों से 30 से 60 फीसदी भूमि लेने का अधिकार मान लिया जाए। चौधरी साहब के हस्तक्षेप से यह सुझाव यूपी में नहीं माना गया लेकिन अन्य प्रदेशों में इसकी आड़ में गरीब किसानों से भूमि छीन ली गई। इसके बाद 1956 में चौधरी चरण सिंह की प्रेरणा से ही जमींदारी उन्मूलन एक्ट में यह संशोधन किया गया कि कोई भी वह किसान भूमि से वंचित नहीं किया जाए, जिसका किसी भी रूप में जमीन पर कब्जा हो। चौधरी चरण सिंह नेहरू की आर्थिक नीतियों के कटु आलोचक थे और अंतत: चौधरी चरण सिंह ही सही साबित हुए, जब 21वीं सदी में आकर भारत सरकार ने उद्योग की बजाय कृषि को भारतीय अर्थव्यवस्था का %प्राइम मूविंग फोर्स% स्वीकार किया।

महात्मा गाँधी और कांग्रेस की मिट्टी में तपे

1937 से लेकर 1977 तक वो छपरौली - बागपत क्षेत्र से लगातार विधायक रहे। प्रधानमंत्री बनने के बावजूद कभी अपने साथ किसी तरह का कोई लाव - लश्कर नही रखते थे। मामूली सी एंबेसडर कार में चला करते थे। वो जहाज़ पर उड़ने के ख़िलाफ़ थे और प्रधानमंत्री होने के बावजूद लखनऊ ट्रेन से जाया करते थे। अगर घर में कोई अतिरिक्त बल्ब जला हुआ है तो वो डांटते थे कि इसे तुरंत बंद करो। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति के ऐसे अकेले व्यक्तित्व है, जिन्होंने न्यूनतम लिया और अधिकतम दिया। उनका व्यवहार कांच की तरह पारदर्शी और ठेठ देहाती बुज़ुर्गों जैसा हुआ करता था। उन्होंने एक बार गन्ना किसानों को भी डांट दिया था। जब गन्ने के कम मूल्य की शिकायत लेकर वे उनके पास पहुंचे थे तो चौधरी चरण सिंह ने सिर से टोपी उतारकर कहा था कि मेरे सिर की जगह बाकी है यहाँ भी गन्ना बो लो अर्थात गन्ने के अलावा भी कोई फसल पैदा करो। कम लोगों को मालूम होगा कि वो संत कबीर के बड़े अनुयायी थे।वे धोती और देसी लिबास पहनते थे और एक पुरानी %एचएमटी% घड़ी बाँधते थे, सौ फ़ीसदी शाकाहारी थे।

कड़वे लेकिन खरे थे

वैसे तो वे समय के बहुत पाबंद थे चुनाव सुधार पर बनी समिति की बैठक में वे देर से पहुंचे। वे बताने लगे कि उन्हें देर क्यों हुई। जब वो कार में बैठ रहे थे तो एक पत्रकार ने सवाल पूछ लिया कि क्या आप प्रधानमंत्री बनने के लिए बहुत तत्पर हैं? इस पर चरण सिंह को ग़ुस्सा आ गया और वो बोले कि प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखने में क्या बुराई है। उल्टा उन्होंने उस पत्रकार से ही सवाल कर डाला कि क्या तुम एक अच्छे अख़बार के संपादक बनना नहीं पसंद करोगे? और अगर तुम ऐसा नहीं सोचते तो तुम्हारा जीवन निरर्थक है। फिर उन्होंने उस पत्रकार से कहा कि मैं एक दिन इस देश के प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा ज़रूर रखता हूँ। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि मैं मोरारजी देसाई को उनके पद से हटाने के लिए षडयंत्र कर रहा हूँ। चरण सिंह यहाँ पर ही नहीं रुके और बोले एक दिन मोरारजी देसाई मरेंगे और तब मैं प्रधानमंत्री बन जाऊं तो इसमें बुराई क्या है।

इंदिरा गांधी को कराया था गिरफ्तार

चरण सिंह ने गृह मंत्री के तौर पर इंदिरा गाँधी को गिरफ्तार करने के आदेश दिए थे। उनका मानना था कि जिस तरह इंदिरा गाँधी ने आपातकाल के दौरान एक लाख लोगों को फ़र्ज़ी मुक़दमें लगा कर जेल में बंद कर दिया था, उसी तरह से इंदिरा गाँधी को भी जेल में बंद किया जाना चाहिए।

एक बार उन्होंने इतनी सख़्त बात कही थी कि मैं तो चाहता हूँ कि इंदिरा गाँधी को क्नॉट प्लेस में खड़ा कर कोड़े लगवाए जाएं। उन्होंने शाह कमीशन बनवाया। शाह कमीशन में इंदिरा गांधी के ख़िलाफ़ रोज़ गवाहियाँ और बयानात होते थे। आख़िरकार उन्होंने इंदिरा गाँधी को जेल भिजवा कर ही दम लिया।

साम्प्रदायिकता के खिलाफ

चौधरी चरण सिंह का सबसे बड़ा योगदान था हिंदु और मुस्लिम सांप्रदायिकता को कमज़ोर करना। उन्होंने हमेशा सांप्रदायिक दंगों को सख़्ती से कुचला। 1977 से 1980 के बीच उत्तरप्रदेश मे अलीगढ़, बनारस और संबल में बड़े दंगे हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री रामनरेश यादव को बहुत सख़्ती से डांट कर कहा कि ये दंगे हर हालत में रुकने चाहिए।

वे ईमानदारी की प्रतिमूर्ति थे चौधरी चरणसिंह के दामाद वासुदेव सिंह दिल्ली में काम करते थे। उस ज़माने में सब कुछ कोटे से मिलता था। उनको एक स्कूटर चाहिए था। उनको मालूम पड़ा कि मुख्यमंत्री का एक कोटा होता है। उस समय चौधरी चरण सिंह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। वासुदेव सिंह ने चौधरी साहब के पीए से मिल कर एक स्कूटर बुक करा दिया। वो समय आने पर स्कूटर की डिलीवरी लेने लखनऊ गए। जब वो चरण सिंह से मिलने उनके घर पहुंचे तो उन्होंने उनके आने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि वो स्कूटर लेने आए हैं। जब चौधरी साहब को पूरी बात पता चली तो उन्होंने वासुदेव जी से तो कुछ नहीं कहा पर अपने पीए को बुला कर पूछा कि आपने इन्हें कोटे से स्कूटर कैसे दिलाया? ये उत्तरप्रदेश में तो रहते नहीं हैं। ये दिल्ली के रहने वाले हैं। आप तुरंत स्कूटर की बुकिंग कैंसिल करिए और इनके पैसे वापस दिलवाइए। ऐसे किसान मसीहा एवं बेजोड़ विचारधारा वाले चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें शत -शत नमन।

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

देवभूमि उत्तराखण्ड

श्री यमुनोत्री
30 अप्रैल, 2025

श्री गंगोत्री
30 अप्रैल, 2025

श्री केदारनाथ
2 मई, 2025

श्री बदरीनाथ
4 मई, 2025

श्री हेमकुंट साहिब
25 मई, 2025

हरित चारधाम यात्रा

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

आप सभी का
हार्दिक स्वागत एवं
अभिनंदन

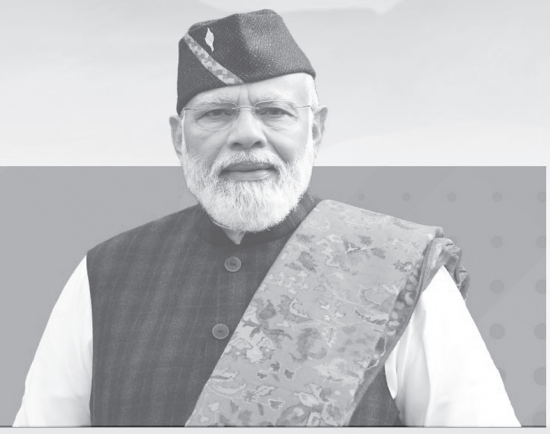

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

सुगम एवं सुरक्षित चारधाम यात्रा

चारधाम मार्ग के समीप आध्यात्मिक और प्राकृतिक रत्न

यमुनोत्री के पास: जानकी चट्टी, हनुमान चट्टी, खरसाली गांव, सप्तऋषि कुंड, पांडव गुफा, लाखा मण्डल, केदारकांठा ट्रैक, राणा चट्टी

गंगोत्री के पास: गौमुख ट्रैक, भोजबासा, तपोवन, सूर्यकुंड व गौरीकुंड, हर्षिल वैली, मुखीमठ (मुखबा), दयारा बुग्याल ट्रैक, गरतांग गली, काशी विश्वनाथ मन्दिर, नचिकेताताल, डौडीताल

केदारनाथ के पास: भैरवनाथ मन्दिर, वासुकीताल, गौरीकुंड, त्रियुगीनारायण मन्दिर, चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला, गुप्तकाशी, देवरियाताल

बदरीनाथ के पास: माणा गांव, व्यास गुफा और गणेश गुफा, भीमशिला, औली, फूलों की घाटी, वसुधारा जलप्रपात, चरणपादुका, तप्तकुंड, नारदकुंड, ज्योतिर्मठ (जोशीमठ), सतोपंथ झील, पाण्डुकेश्वर, आदिबदरी मन्दिर, हेमकुंट साहिब

यात्रा के लिए जरुरी सामान

रेनकोट	सनग्लासेस	पानी की बोतल
मास्क	ग्लूकोस बिस्कुट	लाठी
कोल्ड क्रीम	टार्च	मंकी कैप
मफलर	कैनवास जूते	कैश
मोज़े	सैनिटाइज़र	स्वेटर
छाता	पहचान पत्र	दस्ताने

पंजीकरण के लिए

registrationandtouristcare.uk.gov.in

Toll Free number 0135 1364

Download the App:
touristcareuttarakhand

Google play | Download on the App Store

हेलीकॉप्टर/अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं

www.heliyatra.irctc.co.in

आईआरसीटीसी हेल्पलाइन नं 1800110139
080-44647998/080-35734998

उत्तराखण्ड पर्यटन टोल फ्री नंबर:
1364/0135 3520100

महत्वपूर्ण सूचना

- यात्रा से पूर्व पंजीकरण अवश्य करायें।
- रजिस्ट्रेशन में सही मोबाईल नम्बर दर्ज करें।
- धामों पर "दर्शन टोकन" अवश्य प्राप्त करें।
- यात्रा मार्ग पर विभिन्न पड़ावों पर विश्राम करते हुए प्रस्थान करें।
- यात्रा मार्गों पर गंदगी न फैलायें एवं मार्ग को स्वच्छ रखने में सहयोग करें।
- कृपया वाहनों की गति नियंत्रित रखें एवं वाहनों को निर्धारित स्थलों पर ही पार्क करें।
- greencard.uk.gov.in पर अपने वाहन का रजिस्ट्रेशन करवाएं।
- यात्रा के दौरान सिंगल यूज़ प्लास्टिक का प्रयोग न करें।

स्वास्थ्य का रखें खास ख्याल

- यात्रा आरंभ करने से पहले निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में अपनी जांच अवश्य करायें।
- जिन्हें हृदय संबंधी दिक्कतें तथा हाइपरटेंशन है, वे अतिरिक्त सावधान रहें।
- रास्ते में कहीं भी लगे कि आपकी तबीयत ठीक नहीं है तो आगे यात्रा न करें और नजदीकी चिकित्सा केंद्र से संपर्क करें।
- जरुरी दवाइयां, फर्स्ट ऐड किट एवं मेडिकल हिस्ट्री सम्बन्धी रिपोर्ट साथ लेकर चलें।

आपकी यात्रा मंगलमय हो

त्रियुगी नारायण मन्दिर | गरतांग गली | फूलों की घाटी | हर्षिल वैली | देवप्रयाग | ऋषिकेश | औली

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | uttarakhandDIPR | DIPR_UK | uttarakhand DIPR

#ExploreUttarakhand
@DIPR_UK

देश सबसे पहले...तुर्किये बॉयकॉट पर बोलीं मंजरी फडनीस

भारत-पाकिस्तान तनाव पर पड़ोसी देश का समर्थन करने वाले तुर्किये का आम लोगों के साथ ही फिल्म जगत के सितारे भी विरोध करते नजर आ रहे हैं। भारत में तुर्किये बॉयकॉट की मांग उठने लगी है। अभिनेत्री रूपाली गांगुली, कुशाल टंडन, विशाल मिश्रा के बाद अब अभिनेत्री-गायिका मंजरी फडनीस की प्रतिक्रिया सामने आई है।

मंजरी ने तुर्किये बॉयकॉट पर कहा कि वह देशभक्त हैं और सबसे पहले देश आता है।

जब उनसे पूछा गया कि तुर्किये और अजरबैजान जैसे देशों ने आतंकवाद पर पाकिस्तान का खुलेआम समर्थन किया है तो क्या पर्यटन और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने के लिए उनका बहिष्कार किया जाना चाहिए?

इस पर फडनीस ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी ऐसे देश या व्यक्ति का समर्थन नहीं कर सकतीं जो उनकी मातृभूमि का अनादर करता है या उसका विरोध करता है। उनके लिए, राष्ट्रीय गौरव और निष्ठा सबसे पहले है। वह हर चीज से ऊपर अपने देश के साथ मजबूती से खड़ी रहना पसंद करती हैं।

मंजरी फडनीस ने बताया, कोई भी देश या व्यक्ति जो मेरे देश का अनादर करता है या उसके खिलाफ खड़ा होता है, मैं उनका समर्थन नहीं कर सकती। मेरी निष्ठा हमेशा मेरे देश के प्रति है।

अभिनेत्री-गायिका ने बताया, मेरे घर का माहौल देशभक्ति वाला रहा है। मैं एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हूं, मेरे पिता ने सेना में ड्यूटी की है। मैं देशभक्त हूं। मैंने अपना पूरा बचपन सेना के अधिकारियों के बीच बिताया। मैंने खुद देखा है कि भारतीय सेना कैसे काम करती है और वे कितने समर्पित और अनुशासित हैं। उस अनुभव ने मुझे देश के साथ गहरा और मजबूत संबंध बनाने में मदद की।

बातचीत के दौरान मंजरी ने सोशल मीडिया पर शेयर किए गए पोस्ट पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया, जरूरी नहीं कि सोशल मीडिया पर आप पोस्ट शेयर नहीं कर रहे हैं तो देश के प्रति आपकी भावनाएं नहीं हैं। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारे देश ने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी है, उस पर मुझे गर्व है। मुझे लगता है कि हम सभी देश के लिए एकजुटता में एक साथ आए हैं, देश की एकता देखने को मिली।

सोनाक्षी सिन्हा की साइकोलॉजिकल थ्रिलर निकिता रॉय का पोस्टर रिलीज

हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म निकता रॉय का पोस्टर रिलीज हुआ है। अभिनेत्री के इस फिल्म के पोस्टर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। सोनाक्षी के तनाव और सीरियस लुक ने सभी को हैरान कर दिया है। फिल्म निर्माताओं द्वारा फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी गई है।

सोनाक्षी सिन्हा अपने दमदार लुक के साथ इस बार सिनेमाई पर्दे पर नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री की आगामी फिल्म निकिता रॉय के पोस्टर ने उनके लुक के बारे में कई सवाल पैदा कर दिए हैं। इस पोस्टर में सोनाक्षी सिन्हा के अलावा अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नय्यर भी नजर आ रहे हैं। फिल्म के पोस्टर में सभी किरदार सस्पेंस लुक में दिख रहे हैं। यह फिल्म एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है।

निकिता रॉय फिल्म का निर्देशन कुश एस सिन्हा कर रहे हैं, जो इस फिल्म से डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू कर रहे हैं। यह फिल्म रहस्य, मनोवैज्ञानिक थ्रिलर की कहानी के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। सोनाक्षी सिन्हा की ये फिल्म 30 मई को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। इस फिल्म को निक्की विक्की भगनानी फिल्म्स और निकिता पाई फिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले बनाया जा रहा हैं। वहीं, इस फिल्म का प्रोडक्शन निक्की खेमचंद भगनानी, किंजल आहूजा घोन और विक्की भगनानी ने किया है। सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत फिल्म निकिता रॉय को लेकर फिल्म निर्माता निक्की और विक्की भगनानी ने कहा कि यह फिल्म उनके दिल के बहुत करीब है। यह फिल्म दर्शकों को वहां ले जाएगी, जहां मुख्यधारा की फिल्में नहीं ले जा पाती हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि इस फिल्म के कलाकार अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म रिलीज के समय पर सिनेमाघरों में क्या कमाल करती है।

पकंज त्रिपाठी की क्रिमिनल जस्टिस 4 का ट्रेलर जारी, नई रिलीज तारीख का भी हुआ ऐलान

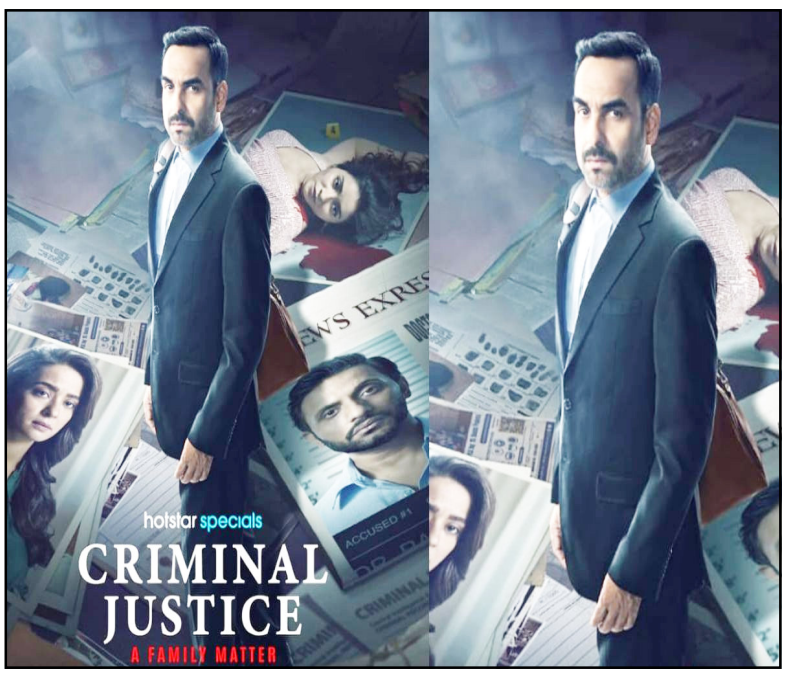

मंझे हुए अभिनेता पंकज त्रिपाठी की पॉपुलर सीरीज क्रिमिनल जस्टिस के सीजन-4 का ट्रेलर निर्माताओं ने जारी कर दिया है। माधव मिश्रा के किरदार में पंकज त्रिपाठी पेचीदा केस के साथ फिर से वापसी करने जा रहे हैं। पंकज ने इसे पहले से भी ज्यादा रोमांचक अनुभव बताया है।

एप्लॉज एंटरटेनमेंट के बीबीसी स्टूडियोज इंडिया के सहयोग से बनी सीरीज का निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है।

इस बार, पंकज त्रिपाठी का किरदार माधव मिश्रा एक हाई-प्रोफाइल केस को सुलझाता नजर आएगा।

जियोहॉटस्टार क्लस्टर एंटरटेनमेंट के प्रमुख आलोक जैन ने कहा, क्रिमिनल जस्टिस हमारे जियो हॉटस्टार हिंदी कंटेंट पोर्टफोलियो में सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक रहा है, जिसे दर्शकों से काफी प्यार मिला। सीरीज के चौथे सीजन को लेकर हम उत्साहित हैं।

अप्लॉज एंटरटेनमेंट के प्रबंध निदेशक समीर नायर ने कहा, क्रिमिनल जस्टिस शानदार सीरीज है, जिसे पहले सीजन से ही प्रशंसकों का प्यार मिला है। जियोहॉटस्टार के साथ हमारी मजबूत साझेदारी रही है और साथ मिलकर हमने हमेशा दर्शकों को समझना और उन्हें प्रामाणिक और आकर्षक कहानी सुनाने का क्रम चौथे सीजन के साथ जारी रखा है। हम माधव मिश्रा को दर्शकों के सामने पेश करने के लिए उत्साहित हैं। वह कोर्ट रूम में दहाड़ते नजर आएंगे।

पंकज त्रिपाठी ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, क्रिमिनल जस्टिस का यह सीजन माधव मिश्रा के लिए कोर्ट रूम में वापसी से कहीं ज़्यादा बढ़कर है। माधव मिश्रा की जगह लेना और क्रिमिनल जस्टिस के लिए शूटिंग करना एक नए अनुभव को जन्म देता है। सीरीज में मेरा किरदार शानदार है और मुझे लगता है कि वह अब मेरा दूसरा व्यक्तित्व बन गया है। इस सीजन में हमारे साथ कुछ बहुत ही प्रतिभाशाली अभिनेता भी शामिल हुए हैं जो कहानी को और दमदार बनाने जा रहे हैं। मैं सीरीज को लेकर उत्साहित हूं।

सुरवीन चावला ने अपने किरदार के विषय में कहा, अंजू एक बहुत ही मजबूत किरदार है, जिसे शानदार तरीके से गढ़ा गया है। यह सिर्फ एक कानूनी लड़ाई नहीं, बल्कि भावनाओं, सच्चाई और नैतिकता की लड़ाई है। हम चौथे सीजन के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। हमारे पास बेहतरीन टीम है।

सीरीज के चौथे सीजन में पंकज त्रिपाठी के साथ मोहम्मद जीशान अय्यूब, सुरवीन चावला, आशा नेगी, खुशबू अत्रे, बरखा सिंह, आत्म प्रकाश मिश्रा के साथ मीता वशिष्ठ और श्वेता बसु प्रसाद अहम भूमिकाओं में हैं।

क्रिमिनल जस्टिस का प्रीमियर 29 मई को जियोहॉटस्टार पर होगा।

धमाल 4 की रिलीज डेट आउट, अजय-रितेश अरशद की तिकड़ी फिर मचाएगी धमाल

धमाल नाम सुनते ही फिल्म का एक-एक सीन और डायलॉग याद आ जाता है. आंखों के सामने अजय देवगन, रितेश, अरशद और जावेद जाफरी की भागम भाग और खजाने के मिलने की उम्मीद के पीछे कहीं ना कहीं ऑडियंस भी भाग रही होती है. शायद आज भी इसीलिए इस कॉमेडी फ्रेंचाइजी को बड़ा दर्शक वर्ग पसंद करता है और टीवी पर इस फ्रेंचाइजी की किसी भी फिल्म को बड़े चाव के साथ देखा जाता है. इसी बीच दर्शक कई दिनों से फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म का इंतजार कर रहे थे. जिसकी रिलीज डेट आखिरकार अनाउंस कर दी गई है. मीडिया एनालिस्ट तरण आदर्श ने हाल ही में फिल्म की रिलीज डेट कंफर्म की. उन्होंने स्टार कास्ट की तस्वीर शेयर करते हुए बताया कि फिल्म ईद 2026 के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी. उन्होंने लिखा, अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी- धमाल 4 ईद 2026 पर, सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली कॉमेडी फ्रेंचाईजी की रिलीज डेट लॉक कर दी गई है. धमाल 4 में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, संजय मिश्रा, संजीदा शेख, अंजली आनंद, रवि किशन जैसे सितारे होंगे. फिल्म को इंद्र कुमार डायरेक्ट कर रहे हैं. वहीं इसे भूषण कुमार, इंद्र कुमार, अजय देवगन मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं. महीने भर पहले अजय देवगन एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था,पागलपन वापस आ गया है. धमाल 4 की धमाकेदार शुरुआत हुई.

सेहत के लिए बहुत लाभकारी है रोजाना एक चम्मच सौंफ का सेवन, मिलेंगे ये फायदे

सौंफ का इस्तेमाल हर भारतीय घर में किया जाता हैं। चाहे खाना बनाना हो या भोजन करने के बाद मुखवास खाना हो दोनों जगह सौंफ को शामिल किया जाता हैं। सौंफ का सेवन मुख्यतया मुंह की दुर्गंध को दूर करने के लिए किया जाता हैं। लेकिन इसी के साथ ही औषधि के तौर पर भी सौंफ का सेवन किया जाता हैं। सौंफ जरूरी विटामिन, पोषक तत्वों और खनिजों जैसे विटामिन सी, विटामिन ए, फाइबर, पोटेशियम, मैंगनीज, जिकं, आयरन और कैल्शियम का भंडार है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और जीवाणुरोधी गुण होते हैं जो सेहत की कई समस्याओं को दूर करते हैं। आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि रोजाना एक चम्मच सौंफ का सेवन करने से आपकी सेहत को क्या फायदे मिलेंगे। आइये जानें इसके बारे में...

पेट की समस्याओं में मिलेगा आराम

सौंफ के बीज को कब्ज, पेट के सूजन और अपच को ठीक करने के लिए वर्षों से प्रयोग में लाया जाता रहा है। गर्मियों में सौंफ की ठंडाई पेट को ठंडक देने के साथ पेट फूलने और अपच की समस्या में काफी लाभदायक मानी जाती है। अध्ययनों से पता चलता है कि सौंफ में एनेथोल, फेनचोन और एस्ट्रैगोल जैसे आवश्यक तत्व होते हैं जो एंटी-इंफ्लामेटरी और एंटीस्पास्मोडिक गुणों के लिए जाने जाते हैं। पाचन तंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए भोजन के बाद एक चुटकी सौंफ का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है।

कंट्रोल में रहता है कोलेस्ट्रॉल

सौंफ में फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। फाइबर रिच फूड्स खाने से कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का भी कहना है कि फाइबर युक्त चीजों के सेवन से वेट और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रह सकता है। फाइबर, रक्त में कोलेस्ट्रॉल को घुलने नहीं देता है। इससे हृदय भी स्वस्थ रहता है।

वजन कम करने में मददगार

एक हेल्दी डाइट के अलावा आप वजन कम करने के लिए सौंफ के बीज का उपयोग कर सकते हैं। सबसे पहले पाचन प्रक्रिया को सुगम बनाकर, सौंफ के बीज शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं जो फैट बर्न करने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए सबसे जरूरी है। फाइबर का एक समृद्ध स्रोत होने के कारण सौंफ के बीज तृप्ति प्रदान करते हैं और भूख को कम करते हैं। सौंफ के बीज विषाक्त पदार्थों और अतिरिक्त तरल पदार्थ को बाहर निकालने में आपकी मदद करते हैं।

आंखों के लिए फायदेमंद

आंखों की छोटी-मोटी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में भी सौंफ काफी कारगर साबित हो सकती है। अगर किसी की आंखों में जलन या फिर खुजली हो रही है, तो सौंफ की भाप आंखों पर लेने से राहत मिल सकती है। इसके लिए सौंफ को सूती कपड़े में लपेटकर हल्का गर्म करके आंखों को सेंक सकते हैं। ध्यान रहे कि यह अधिक गर्म न हो। आंखों की रोशनी बढ़ाने में विटामिन-ए और विटामिन-सी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सौंफ में विटामिन-ए पाया जाता है। इस प्रकार सौंफ के सेवन से बढ़ती उम्र में भी आपकी आंखों की रोशनी प्रभावित होने से बच सकती है।

ब्लड प्रेशर को करें नियंत्रित

सौंफ में पोटेशियम भरपूर होता है जो रक्तप्रवाह में फ्लूइड की मात्रा को नियंत्रित करता है। यही आपकी हृदय गति और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। एक अध्ययन के अनुसार सौंफ लार में नाइट्राइट के स्तर को बढ़ाती है। नाइट्राइट एक नेचुरल इंग्रेडिएंट्स है जो ब्लड प्रेशर के लेवल को कंट्रोल में रखता है। सौंफ के सेवन से महिलाओं में हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम हो सकता है।

स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए फायदेमंद

सौंफ में गैलेक्टोजेनिक गुण पाए जाते हैं, जिसका अर्थ है कि यह दूध के स्राव को बढ़ाने में मदद करता है। शोध से पता चलता है कि सौंफ का सेवन रक्त में प्रोलैक्टिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक है। यह हार्मोन शरीर को स्तन के दूध का उत्पादन करने का संकेत देता है। यही कारण है कि प्रसव के बाद अक्सर माताओं को सौंफ चबाने को दिया जाता रहा है।

त्वचा में चमक बढ़ाएं

अपने एंटी-माइक्रोबियल गुणों के कारण, सौंफ का उपयोग प्राचीन काल से त्वचा की विभिन्न समस्याओं के इलाज के लिए किया जाता रहा है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण हेल्दी स्किन पर हमला करने वाले मुक्त कणों से लड़ने में मदद करते हैं। सौंफ में एंटी-एजिंग गुण भी होते हैं जो झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम करने में मदद करते हैं।

अस्थमा में लाभदायक

सौंफ में मौजूद फाइटोन्यूट्रिएंट्स की अधिक मात्रा साइनस में को खत्म करने में मदद करती है। सौंफ ब्रोन्कियल में राहत देती है जो अस्थमा और ब्रोंकाइटिस के लक्षणों को कम करने में मदद करता है। सौंफ में पाए जाने वाले पाइथोन्यूट्रिएंट्स गुण अस्थमा में लाभदायक हो सकते हैं।

कफ से निजात

सर्दी में कफ की समस्या आम हो जाती है और आमतौर पर छोटे बच्चों को इससे कुछ ज्यादा ही परेशानी होती है। ऐसे में किचन में रखी सौंफ इस समस्या से आसानी से छुटकारा दिला सकती है। सौंफ में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो कफ जैसी छोटी-मोटी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं।

कैंसर को रखे दूर

सौंफ कैंसर में भी उपयोगी है। कहा जाता है कि सौंफ में कैंसर रोधी गुण होते हैं। सौंफ में शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो फ्री रेडिकल्स को बेअसर करते हैं और ऑक्सीडेटिव तनाव को रोकते हैं। यही कारण हो सकता है कि सौंफ कैंसर को फैलने से रोक सकती है।

खीरा छीलकर खाना चाहिए या बिना छीले?

सलाद के रूप में कच्चा खाया जाने वाला खीरा एक से एक कई जबरदस्त पोषक तत्वों से भरपूर होता है. गर्मियों के मौसम में इसकी डिमांड काफी बढ़ जाती है. क्योंकि खीरे में 95 प्रतिशत तक पानी मौजूद होता है. यही वजह है कि गर्मी में कड़ी धूप की वजह से होने वाली डिहाइड्रेशन की समस्या से बचाने में खीरा आपकी काफी मदद कर सकता है. हालांकि कुछ लोग खीरे को छीलकर तो कुछ इसे साबुत खाना पसंद करते हैं. अब सवाल उठता है कि खीरे को छीलकर खाना कितना सही है? क्या वास्तव में खीरे को छीलकर खाया जाना चाहिए? आइए जानते हैं इसका जवाब...

खीरे को छीलकर खाने से ज्यादा फायदेमंद इसे बिना छीले खाना है. अगर आप खीरे को बिना छिले खाएंगे तो आपको इसके कई फायदे मिलेंगे. क्योंकि खीरे के छिलके में कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य को अलग-अलग तरीके से फायदे पहुंचाते हैं. इसके छिलके में टैनिन और फ्लेवोनोइड्स सहित एक से एक एंटीऑक्सिडेंट मौजूद होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान को रोकने में मदद करते हैं और तो और पुरानी बीमारियों के खतरे को भी कम करते हैं. आइए जानते हैं कि बिना छीले खीरे खाने के क्या फायदे मिलते हैं.

छीलकर खीरा क्यों नहीं खाना चाहिए?

1. वजन कम करने में मिलती है मदद- जब आप खीरे इसके छिलके उतारे बगैर खाते हैं तो आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिलती है. खीरे का छिलका बॉडी को डिटॉक्स करने का काम करता है. यही वजह है कि साबुत खीरा खाने से आपका वजन भी तेजी से घटता है.

2. नहीं होगी कब्ज की समस्या- अगर आप छिलका सहित खीरा खाएंगे तो आपको कब्ज की परेशानी नहीं होगी. आपका पेट रोजाना साफ होगा और शरीर भी हाइड्रेटेड रहेगा. साबुत खीरे खाने से आपको पेट से जुड़ी परेशानियां भी कम होंगी.

3. शरीर को डिटॉक्स करने में मददगार- खीरे को बिना छीले खाने से शरीर को डिटॉक्स करने में भी मदद मिलती है और तो और टॉक्सिन्स को बाहर निकालना भी आसान हो जाता है.

रखें इन बातों का ध्यान

1. खीरे को साबुत खाने से पहले इसे अच्छे से धो लें

2. हो सके तो खीरे को धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करें.

3. खीरे के ऊपर और नीचे का सिरा काटकर अलग कर दें.

हिचकी से हैं परेशान? तुरंत राहत पाने के लिए अपनाएं ये 5 घरेलू नुस्खे

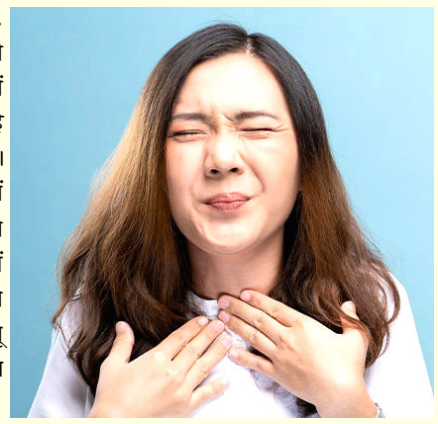

हिचकी एक आम समस्या है, जो लोगों को कष्टदायक नहीं लगती है। हालांकि, कई बार बहुत से लोगों को इस तरह से हिचकी आती है कि बंद होने का नाम ही नहीं लेती। इससे पेट में हलचल और सिर में दर्द होने लगता है। इस तरह आने वाली हिचकी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। ऐसे में नीचे लिखे कुछ प्राकृतिक और घरेलू उपचार को अजमाकर इस समस्या से तुरंत राहत पा सकते हैं।

चीनी-चकी से राहत पाने के लिए चीनी एक लोकप्रिय घरेलू उपचार है, जिसका इस्तेमाल सदियों से किया जा रहा है। इसके लिए आपको लगभग 10 सेकंड के लिए 1 चम्मच सफेद या भूरी चीनी को मुंह में रखने के बाद निगल लेना है। इसके बाद आधा गिलास पानी पी लें। दरअसल, चीनी के छोटे-छोटे दाने आपके गले में हल्की जलन पैदा करते हैं और आपका ध्यान हिचकियों से खींच लेते हैं।

नींबू -जब बात हिचकी से निपटने की आती है तो नींबू भी आपकी काफी मदद कर सकता है। इसके लिए आपको बस नींबू का एक टुकड़ा अपने मुंह में रखना है। इसके बाद तो इसे चबाएं और इसके रस का सेवन करते रहें। इसका खट्टा स्वाद आपकी वेगस तंत्रिका को विचलित करता है और लगातार आने वाली हिचकियों को रोकता है। नींबू का इस्तेमाल इन छोटे-बड़े कामों के लिए भी किया जा सकता है।

अचार-हिचकी का इलाज करने के लिए आप अचार या अचार के रस का सेवन कर सकते हैं। दरअसल, अचार का स्वाद हल्का तीखा होता है इसलिए यह वेगस तंत्रिका को आसानी से विचलित करके हिचकी से आपका ध्यान खींच लेता है। इसके लिए अचार के रस की कुछ बूंदें जीभ पर लगाएं या फिर अचार को तब तक चूसें जब तक आपकी हिचकी बंद न हो जाए। आपको घर पर ये 5 तरह के आम के अचार जरूर बनाना चाहिए।

गर्मियों में पी रहे हैं इस तरह के ड्रिंक्स, तो हो जाएं थोड़ा सावधान

गर्मी के दौरान हम खाने से ज्यादा कुछ ठंडा और हेल्दी पीने की इच्छा रखते हैं, लेकिन बहुत से लोग इस बात से अंजान हैं कि कुछ ड्रिंक्स ऐसे हैं, जो हाइड्रेट रखने के बजाय शरीर को डिहाइड्रेट करते हैं. जानें. पैकेज्ड नारियल पानी एक तरफ जहां ताज़ा नारियल पानी फ़ायदों से भरपूर है, वहीं, दूसरी तरफ पैकेज्ड नारियल पानी उतना ही हानिकारक है, जिसे खाने से बचना चाहिए. क्योंकि इनमें चीनी और सोडियम की मात्रा होती है जो शरीर में पानी के स्तर को कम कर सकता है. स्मूथीज़ कहा जाता है कि मिठास, फ्लेवर्ड दही या जूस के रूप में एक्स्ट्रा चीनी से भरपूर हाई-प्रोटीन स्मूदी में डिहाइड्रेट करने वाले प्रभाव होते हैं. गहरे रंग का यूरीन और अस्पष्ट थकान डिहाइड्रेशन के संकेत हैं जिन पर ध्यान देना चाहिए. एनर्जी ड्रिंक पैकेज्ड एनर्जी ड्रिंक्स में काफी ज्यादा मात्रा में कैफीन, चीनी और अन्य एनर्जेटिक पदार्थ होते हैं, जो शरीर को निर्जलित बनाते हैं. कार्बोनेटेड ड्रिंक्स कोल्ड ड्रिंक और स्पार्कलिंग वॉटर जैसे कार्बोनेट ड्रिंक्स का सेवन कम मात्रा में करना चाहिए. इन ड्रिंक्स के अत्यधिक सेवन से सूजन हो सकती है और शरीर भी डिहाइड्रेट हो सकता है. चीनी युक्त ड्रिंक्स गर्मियों के महीनों के दौरान आमतौर पर पैक किए गए फ्रूट जूस और सोडा का अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है, जिससे शरीर के टिशूज से पानी निकल जाता है और यह डिहाइड्रेशन को बढ़ावा देता है. कैफीन चाय और कॉफी जैसे ड्रिंक्स भी डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं. जबकि कैफीन हल्के डाइयूरेटिक के रूप में काम करता है, लेकिन फिर भी यूरीन प्रोडक्शन को बढ़ावा देता है, जिससे डिहाइड्रेशन होता है. शराब कहा जाता है कि शराब में डाइयूरेटिक इफेक्ट होता है, जिसका मतलब है कि वे ये यूरीन प्रोडक्शन को बढ़ाते हैं, जो डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं.

मुख्यमंत्री ने शुरु किया ''विकसित कृषि संकल्प अभियान''

''विकसित कृषि संकल्प अभियान'' का लाभ उठाएं प्रदेश के किसान : मुख्यमंत्री

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि, अभियान के दौरान कृषि वैज्ञानिक और अधिकारी राज्य के 95 विकासखंडों, 670 न्याय पंचायतों और 11440 गाँवों में किसानों से संवाद करेंगे।

गुरुवार को गुनियाल गांव से इस अभियान की शुरुआत करते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अभियान के अंतर्गत 29 मई से 12 जून तक देशभर के 700 से अधिक जिलों में 2000 से अधिक वैज्ञानिक दलों द्वारा डेढ़ करोड़ किसानों के साथ संवाद स्थापित किया जाएगा। इस अभियान के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिले में तीन टीमें गठित की गई हैं, जो प्रतिदिन तीन स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित करेंगी, ऐसे प्रत्येक कार्यक्रम में 600 से अधिक किसानों के साथ संवाद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से किसानों को उनकी भूमि, जलवायु और ज़रूरत के अनुसार उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी देने के साथ-साथ मृदा परीक्षण के आधार पर लाभकारी फसलों के चयन के लिए भी प्रशिक्षित किया जाएगा। साथ ही, कृषि, पशुपालन, बागवानी जैसी योजनाओं की भी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। अभियान के माध्यम से किसानों के अनुभव, पारंपरिक ज्ञान, नवाचार और सुझावों को भी संकलित किया जाएगा, जिससे भविष्य में वैज्ञानिक शोधों को और अधिक व्यावहारिक बनाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये अभियान हमारे राज्य के कृषि क्षेत्र को आधुनिकता और नवाचार के माध्यम से नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के साथ-साथ हमारे अन्नदाताओं को सशक्त और समृद्ध बनाने की दिशा में भी मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज भारत 'विकसित राष्ट्र' के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार द्वारा हमारे अन्नदाताओं की आय को दोगुना करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जहां एक ओर देशभर के 11 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। वहीं सभी प्रमुख फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि कर किसानों की आय में निरंतर बढ़ोत्तरी सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही, फसल बीमा योजना, किसान मानधन योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, बागवानी विकास मिशन, कृषि यंत्र सब्सिडी, बूंदबूंद सिंचाई योजना, डिजिटल कृषि मिशन जैसी अनेकों योजनाओं द्वारा किसानों को लाभ पहुंचाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के किसानों को तीन लाख रूपए तक का ऋण बिना ब्याज के दिया जा रहा है। किसानों को कृषि उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से फार्म मशीनरी बैंक योजना के जरिए कृषि उपकरण खरीदेने हेतु 80 फीसदी तक की सब्सिडी दी जा रही है। गेहूं खरीद पर कृषकों को प्रति क्विंटल 20 रू. का बोनस दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने गन्ने के रेट में भी 20 रूपए प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी की है। किसानों के लिए नहर से सिंचाई को बिल्कुल मुफ्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाय बागान धौलादेवी, मुन्स्यारी और बेतालघाट को जैविक चाय बागान के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है। इसी तरह राज्य में 6 एरोमा वैली विकसित की जा रही हैं। इस बार के बजट में 200 करोड़ रूपए का प्रावधान विशेष रूप से पॉलीहाउस निर्माण के लिए किया है। पहाड़ी क्षेत्रों में वर्षा आधारित खेती को बढ़ाने के लिए करीब 1,000 करोड़ रुपये की लागत से उत्तराखंड क्लाइमेट रिस्पॉन्सिव रेन-फेड फार्मिंग प्रोजेक्ट भी स्वीकृत किया गया है। हाल ही में राज्य सरकार ने 1200 करोड़ रुपये की लागत से नई सेब नीति, कीवी नीति, 'स्टेट मिलेट मिशन' और 'ड्रैगन फ्रूट नीति' जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाओं को लागू किया है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि गुनियाल गांव में सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण कराने एवं सौंग नदी के गिरते हुए जल स्तर को रोकने के लिए गुनियालगांव के निचले क्षेत्र में दो स्थानों पर आरसीसी दीवाल, चैक डैम तथा कट ऑफ वाल बनाई जायेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि 'विकसित भारत संकल्प अभियान' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उत्तराखंड में पंतनगर, भरसार और अल्मोड़ा जैसे प्रतिष्ठित कृषि संस्थानों की मौजूदगी से यह अभियान और भी प्रभावशाली होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने वर्ष 2025-26 विपणन सत्र के लिए खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (डैच) में 50 से 60 प्रतिशत तक वृद्धि को मंजूरी दी है। जिसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री केंद्रीय कृषि मंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि इससे देश भर के करोड़ों किसानों को सीधा लाभ होगा। इस अवसर पर भाजपा के महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, दायित्वधारी भुवन विक्रम डबराल, सचिव कृषि एस.एन. पाण्डेय, महानिदेशक कृषि रणवीर सिंह चौहान, कुलपति पंतनगर विश्वविद्यालय डॉ. मनमोहन सिंह चौहान, कुलपति भरसार विश्वविद्यालय डॉ. प्रमेन्द्र कौशल मौजूद थे।

नकली आयुर्वेदिक दवा फैक्ट्री का भंडाफोड़, भारी मात्रा में नकली दवाईयां बरामद

हरिद्वार ।ज्वालापुर क्षेत्र के अहबाब नगर मोहल्ले में पुलिस ने नकली आयुर्वेदिक दवाइयां बनाने कं अवैध कारोबार भंडाफोड़ किया है। कोतवाली ज्वालापुर पुलिस और आयुष विभाग की संयुक्त कार्रवाई में एक मकान से भारी मात्रा में नकली दवाइयां, रैपर, लेबल, कच्चा माल और दवा बनाने की मशीनें बरामद की हैं। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिससे गहन पूछताछ की जा रही है।

एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि बढ़ेड़ी राजपूतान, रुड़की की शरीफी हर्बल के नाम से नकली आयुर्वेदिक दवाइयां तैयार कर बाजार में बेचने की शिकायत मिली थी। इस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई.। औषधि निरीक्षक व जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. स्वास्तिक सुरेश की टीम को साथ लेकर पुलिस ने अहबाब नगर स्थित एक मकान में छापेमारी की गई। मकान की तलाशी के दौरान पुलिस को अंदर से भारी मात्रा में यौन वर्धक नकली दवाइयां और एक पिसाई मशीन बरामद हुई। पुलिस ने नकदी दवाई के कारोबार में लिप्त एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान फिरोज अंसारी पुत्र मोहम्मद यूसुफ निवासी मोहल्ला घोसियान, ज्वालापुर के रूप में हुई। एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि आरोपी बिना लाइसेंस के दवाइयां तैयार कर रहा था। जो सामग्री बरामद हुई है, उससे प्रतीत होता है कि लंबे समय से यह अवैध कार्य चल रहा था। इन नकली दवाओं का सेवन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता था। आरोपी के खिलाफ कोतवाली ज्वालापुर में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट सहित भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

सृष्टि की सृजनकर्ता है नारी : रेखा आर्या

अल्मोड़ा । विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर राज्य की महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने किशोरी और महिलाओं के जागरूकता एवं प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लिया। इस मौके पर महिलाओं और किशोरियों को स्वच्छता किट वितरित की गई। अल्मोड़ा स्थित उदय शंकर नाट्य अकादमी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि भारतीय परंपरा में इस जैविक प्रक्रिया को मासिक धर्म कहा गया है। यह विचारणीय बात है कि अगर इसे ध र्म से जोड़ा गया तो यह अपवित्र कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म महिलाओं को ईश्वर का वह पवित्र आशीर्वाद है जो उन्हें सृष्टि की सृजनकर्ता बनाता है। कैबिनेट मंत्री रेखा ने कहा कि इस विषय में समाज में बहुत सारी भ्रांतियां प्रचलित है और इस बारे में सामाजिक सोच को बदलना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि बालिकाओं के लिए स्वास्थ्यवर्धक खान-पान और मासिक धर्म के दिनों में स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक उपाय अपनाना आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने किशोरी और बालिकाओं को मासिक धर्म स्वच्छता किट वितरित की। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि मोदी सरकार ने देशभर में स्थित हजारो जनऔषधि केदो पर मात्र घ में सुरक्षित सेनेटरी पैड वितरित किया जाता है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार ने मेरी सहेली नैपकिन वेंडिंग मशीन व आंगनबाड़ी बहनों के माध्यम से चल रही नैपकिन वितरण योजना के जरिए ग्रामीण समाज की लाखों महिलाओं को सुरक्षित स्वच्छता उपाय है अपनाने में मदद की है। इस अवसर पर अल्मोड़ा मेयर अजय वर्मा, जिलाधिकारी आलोक पांडे, पार्टी जिलाध्यक्ष महेश नयाल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रवि रौतेला, नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, किरन पंत, गणेश जलाल, नवीन बिष्ट,अन्नू भोज, नरेंद्र प्रसाद आगरी, मनीष जोशी, देवेंद्र बिष्ट, भानू अधिकारी, हितेश भट्ट, राजेंद्र प्रसाद, जिला विकास अधिकारी दिनेश साशनी, डीपीओ पीतांबर प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।

सम्पादकः अवनीश कुमार, मो० 9410553400

ई-मेलः liveskgnews@gmail.com

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)

सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।